एक नजर में

श्रद्धांजलि स्वरूप नि :शुल्क रक्त परीक्षण शिविर का आयोजन

मंदसौर। वरिष्ठ समाजसेवी एवं उद्योगपति, गोलोकवासी स्व. श्री रणछोड़प्रसाद जी गनेडीवाल की पुण्य स्मृति में वार्ड क्रमांक 05, शांतनु विहार कॉलोनी में शांतनु विहार वासियों एवं हनुमान चालीसा ग्रुप द्वारा दिनांक 12 अप्रैल 2026 (रविवार) को प्रात: 11 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक नि :शुल्क रक्त परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में जिला अस्पताल मंदसौर से आए विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम द्वारा मानव शरीर से संबंधित लगभग 10 गंभीर बीमारियों की जांच की गई।इस दौरान कुल 111 लोगों ने अपने ब्लड सैंपल दिए।उल्लेखनीय है कि इन जांचों की बाजार में कीमत लगभग ?5000 से ?7000 तक होती है, जिसे इस शिविर में पूर्णत: नि :शुल्क उपलब्ध कराया गया।आयोजन का मुख्य उद्देश्य विशेष रूप से उन माताओं एवं बहनों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना रहा, जो दैनिक कार्यों की व्यस्तता के कारण समय पर जांच नहीं करवा पाती हैं।इस पहल से उन्हें समय रहते बीमारियों की जानकारी प्राप्त कर उचित उपचार कराने में सहायता मिलेगी। स्व. गनेडीवाल का शांतनु विहार के निवासियों से विशेष आत्मीय संबंध रहा है।वे समय-समय पर बाला जी मंदिर में दर्शन हेतु आते थे एवं कॉलोनीवासियों से संवाद करते थे।उनकी स्मृति में यह सेवा कार्य आयोजित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। शिविर में गनेडीवाल परिवार के सदस्य प्रदीप गनेडीवाल, संदीप गनेडीवाल, प्रद्युम्न गनेडीवाल एवं गौतम गनेडीवाल की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद माननीय बंशीलाल गुर्जर, नगर पालिका उपाध्यक्ष श्रीमती नम्रता चावला एवं भाजपा जिला कोषाध्यक्ष प्रीतेश चावला उपस्थित रहे।इस अवसर पर श्री ओमप्रकाश पलोड, श्री महेश मोदी (एडवोकेट), श्री हेमंत बुलचंदानी, श्री भूपेश भाटी (एडवोकेट), श्री सौरभ भार्गव, श्री ललित परमार, श्री पंकज पवार, श्री संजय नागौरी, श्री सिद्धार्थ सैनी, श्री नितेश माली, श्री मानवेंद्र सिंह, श्रीमती बुलबुल परमार, श्रीमती मालती भाटी, श्रीमती नूपुर भार्गव, श्रीमती लिखिता गौड़ सहित बड़ी संख्या में कॉलोनीवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन पार्षद आशीष गौड़ (एडवोकेट) द्वारा किया गया तथा आभार पीयूष जैन ने माना।

टीईटी परीक्षा के विरोध में गरजा संयुक्त मोर्चा मल्हारगढ़ में धरना-प्रदर्शन के बाद एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

मल्हारगढ़। शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) के विरोध में आज संयुक्त मोर्चा के तत्वाधान में मल्हारग? ब्लॉक मुख्यालय पर विशाल धरना-प्रदर्शन और रैली का आयोजन किया गया।इस विरोध प्रदर्शन के माध्यम से शिक्षकों ने अपनी मांगों को पुरजोर तरीके से शासन के समक्ष रखा। कार्यक्रम के दौरान भारी संख्या में शिक्षक और मातृशक्ति एकत्रित हुए, जिन्होंने रैली निकालकर प्रशासन के प्रति अपना आक्रोश व्यक्त किया। रैली के पश्चात शिक्षकों ने अनुविभागीय अधिकारी को एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें परीक्षा से जु?ी विसंगतियों और अपनी प्रमुख समस्याओं के निराकरण की मांग की गई। इस महत्वपूर्ण अवसर पर राज्य शिक्षक संघ (रास) के प्रदेश उपाध्यक्ष गजराज सिंह सिसोदिया, संयुक्त मोर्चा के ब्लॉक अध्यक्ष प्रहलाद खटो?, राज्य शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष विनोद चौहान, और एनएमओपीएस के ब्लॉक अध्यक्ष दीनदयाल सिंह शक्तावत विशेष रूप से उपस्थित रहे। साथ ही शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष नरेंद्र चौधरी, समरथ दास बैरागी, रास के जिला उपाध्यक्ष चंद्रपाल सिंह शक्तावत, आजाद अध्यापक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष पिंकेश मालवीय और आजाद अध्यापक संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष विक्रम सिंह चौहान ने भी अपनी सक्रिय सहभागिता दर्ज कराई।आंदोलन को मजबूती देने के लिए रास के पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष लोमन ओझा, कैलाश गुप्ता, गेंदालाल शर्मा, हीरालाल पाटीदार, अरुण पाटीदार, मंदसौर ग्रामीण अध्यक्ष हेमंत सुथार, वीरेंद्र सिंह शक्तावत, शैलेंद्र केथवास और मिश्रीलाल बारोट जैसे वरिष्ठ साथी सम्मिलित हुए।इनके साथ ही कीर्तिपाल सिंह सिसोदिया, कमलेश पाटीदार, दिनेश पाटीदार, सविता रतनावत, कविता पाटीदार, रमेशचंद्र डिगा, सुनील चौहान, पंकज दल्वी, दयानंद पाटीदार, दिनेश चौहान, प्रेम सिंह चौहान, रंजना पाटीदार, कविता सोनी कालेट, देवीलाल वर्मा, विनय बोराणा और कालेट मैंम सहित बड़ी संख्या में अन्य साथी एवं मातृशक्ति उपस्थित रही।

जल जीवन मिशन की टंकी पहली ही टेस्टिंग में फेल

पिपलिया मण्डी। जल जीवन मिशन योजना एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। मल्हारगढ़ तहसील के ग्राम हरसोल में लाखों रुपये की लागत से निर्मित पेयजल टंकी पहली ही टेस्टिंग में फेल हो गई।टंकी में भरा गया पानी तेजी से चारों ओर से रिसने लगा और देखते ही देखते पानी की टंकी के आास-पास घरों तक पहुंच गया। इस घटना ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। रविवार को टंकी की रिपेरिंग कर लीपा पोती का खेल शुरू हो गया।

जानकारी के अनुसार ग्राम हरसोल में जल जीवन मिशन के तहत करीब डेढ़ लाख लीटर क्षमता वाली पेयजल टंकी का निर्माण किया गया है। टंकी का निर्माण पूरा होने के बाद जब पहली बार टेस्टिंग के लिए इसमें पानी भरा गया, तो टंकी कई स्थानों से लीकेज करने लगी।हालात यह रहे कि टंकी से बहता पानी आसपास के घरों में घुस गया।गांव के गजेंद्रसिंह चूंडावत, मोहनलाल वर्मा, मदनलाल मेघवाल, आबिद मंसूरी, सुखलाल टेलर, भारतसिंह चूंडावत सहित अन्य ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि टंकी का निर्माण बेहद घटिया स्तर का किया गया है। उनका कहना है कि लाखों रुपये खर्च होने के बावजूद पहली ही टेस्टिंग में टंकी ने जवाब दे दिया। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि पाइपलाइन बिछाने का कार्य भी मानकों के अनुरूप नहीं किया गया है।

ग्रामीणों का कहना है कि 2500 की आबादी वाले इस गांव के लिए बनाई गई टंकी में गुणवत्ता की अनदेखी की गई है, जिससे भविष्य में बड़ा हादसा भी हो सकता है। टंकी में हुए लीकेज का सबसे अधिक नुकसान आसपास रहने वाले किसानों को उठाना पड़ा। किसान भेरूलाल प्रजापति ने बताया कि टंकी से बहकर आया पानी उनके घर में घुस गया, जिससे घर में रखी गेहूं और लहसुन की उपज पूरी तरह भीग गई। इससे उन्हें आर्थिक नुकसान हुआ है। उन्होंने प्रशासन से नुकसान की भरपाई की मांग की है। इस पेयजल टंकी से हरसोल, आवना काचरिया और छोटी गु?भेली सहित तीन गांवों में पेयजल आपूर्ति प्रस्तावित है। वर्तमान में पाइपलाइन बिछाने का कार्य जारी है, लेकिन टंकी की स्थिति को देखते हुए ग्रामीणों में योजना को लेकर चिंता ब? गई है। टेस्टिंग में टंकी फेल होने के बाद विवाद लीपापोती का खेल शुरू हो गया। रविवार को इसकी रिपेयरिंग का कार्य शुरू किया गया।

किसान नेता श्यामलाल जोकचन्द व कांग्रेस नेता अनिल शर्मा ने इसे भ्रष्टाचार का उदाहरण बताते हुए कहा कि टंकी उपयोग में आने से पहले ही उसकी स्थिति खराब हो जाना गंभीर लापरवाही को दर्शाता है। शासकीय योजनाओं में करोड़ो रूपये का भ्रष्टाचार हो रहा है। किसान नेता जोकचन्द ने आरोप लगाया कि सरकार में बैठे जनप्रतिनिधियों की मिलीभगत से यह खेल चल रहा है। नेताओ ने उच्च स्तरीय जांच कराने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। साथ ही प्रभावित किसान को मुआवजा देने की भी मांग उठाई। सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए नेताओ ने बताया जल जीवन मिशन में व्यापक स्तर पर भ्रष्टाचार हो रहा है और करो?ों रुपये की योजनाएं गुणवत्ता विहीन निर्माण की भेंट च? रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के कई हिस्सों में इसी तरह की शिकायतें सामने आ रही हैं।

मंदसौर-सीतामऊ मार्ग बन चुका है हादसों का राह, कब जागेगा प्रशासन : कमल कोठारी

मंदसौर। जिला मुख्यालय से राजस्थान की सीमा को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण मंदसौर-सीतामऊ मार्ग इन दिनों %सड़क% नहीं बल्कि %मौत का गलियारा% बन चुका है। यह मार्ग केवल एक सड़क मात्र नहीं है, बल्कि भानपुरा, गरोठ, शामगढ़, चौमेला और रूनीजा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को जिला मुख्यालय से जोड़ने वाली एकमात्र जीवन रेखा है। लगभग 700 से 800 ग्रामीण क्षेत्रों की विशाल आबादी प्रतिदिन इसी मार्ग से होकर अपने गंतव्य तक पहुँचती है। हजारों की संख्या में ग्रामीणों और व्यापारियों का आवागमन होने के बावजूद इस सड़क की हालत बद से बदतर होती जा रही है, जो अब मासूमों और बेगुनाह राहगीरों की जान की दुश्मन बन गई है।

सामाजिक कार्यकर्ता कमल कोठारी ने जिम्मेदारों का ध्यान आकृष्ट करते हुए बताया कि वर्तमान में इस सड़क की चौड़ाई मात्र 25 फीट है, जो द्वि-लेन (2-लेन) होने के कारण बढ़ते यातायात के दबाव को झेलने में पूरी तरह अक्षम साबित हो रही है। चौंकाने वाली बात यह है कि इस मार्ग को फोर-लेन में तब्दील करने की स्वीकृति काफी समय पहले मिल चुकी है, लेकिन धरातल पर स्थिति जस की तस बनी हुई है। शासन और प्रशासन द्वारा केवल कागजी खानापूर्ति और रोडमैप तैयार कर अपनी जिम्मेदारियों से इतिश्री कर ली गई है। सरकारी फाइलों में दौड़ती विकास की गति सड़क पर उतरते ही कछुआ चाल से भी धीमी हो जाती है, जिसका खामियाजा आम जनता को अपनी जान देकर भुगतना पड़ रहा है।

उन्होंने बताया कि सड़क की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पिछले महज 10 दिनों के भीतर इस मार्ग पर अलग-अलग हादसों में 10 से अधिक लोगों की अकाल मृत्यु हो चुकी है। इन घटनाओं ने कई परिवारों के चिराग बुझा दिए हैं, लेकिन इतना सब होने के बाद भी मध्य प्रदेश सड़क विकास निगम और जिला प्रशासन की कुंभकर्णी नींद नहीं टूट रही है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की संवेदनहीनता अब बर्दाश्त के बाहर होती जा रही है।

डॉ. संजीव मेहता के जन्मदिवस पर बालाजी ग्रुप ने सात क्विंटल तरबूज से की गौ सेवा

मन्दसौर। नगर की अग्रणी समाजसेवी संस्था महावीर फतेह करे सेवा संस्था (बालाजी ग्रुप) के तत्वावधान में शहर के सुप्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. संजीव मेहता के जन्मदिवस के पावन अवसर पर 10 नंबर नाका स्थित श्री गोपाल कृष्ण गौशाला में एक विशेष गौ सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस दौरान उपस्थित अतिथियों और ग्रुप के सदस्यों ने मिलकर गौ माता को सात क्विंटल ताजे तरबूज का आहार कराया। भीषण गर्मी के इस दौर में बेजुबान पशुओं के लिए जल और पोषण से भरपूर आहार उपलब्ध कराकर डॉ. मेहता के जन्मदिन को यादगार बनाया गया।

संस्था के अध्यक्ष लोकेन्द्र मंगल बैरागी ने इस अवसर पर डॉ. संजीव मेहता और उनके परिवार के सेवाभावी स्वभाव की प्रशंसा करते हुए कहा कि मेहता परिवार सामाजिक सरोकारों में सदैव अग्रणी रहता है। उन्होंने विशेष रूप से उल्लेख किया कि कोरोना जैसी भीषण महामारी के समय भी मेहता ने परिवार ने निस्वार्थ भाव से मानवता की सेवा की थी। श्री बैरागी ने बताया कि डॉ. संजीव मेहता गौ सेवा के कार्यों के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं।

एक नजर | **पुरानी पेंशन, टीईटी निराकरण और वरिष्ठता की उठी मांग**

मध्य प्रदेश शिक्षक संघ की प्रांतीय बैठक सीहोर में

मंदसौर। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ से संबद्ध मध्य प्रदेश शिक्षक संघ की दो दिवसीय प्रांतीय बैठक दिनांक 11 एवं 12 अप्रैल 2026 को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) सीहोर में गरिमामय वातावरण में आयोजित की गई। इस बैठक में प्रदेश भर के शिक्षक प्रतिनिधियों ने विभाग और शिक्षकों से जुड़ी समस्याओं पर गहन मंथन किया।

बैठक में मुख्य रूप से प्रांतीय सह मीडिया प्रभारी रामचंद्र मालवीय, उज्जैन संभाग के अध्यक्ष शंकरलाल आंजना, मंदसौर जिला अध्यक्ष विक्रम शर्मा और जिला कोषाध्यक्ष कांतिलाल राठौर उपस्थित रहे।

मंदसौर जिला शाखा द्वारा कोषाध्यक्ष कांतिलाल राठौर और अध्यक्ष विक्रम शर्मा के नेतृत्व में एक विस्तृत मांग पत्र प्रांतीय नेतृत्व को सौंपा गया, जिसमें निम्नलिखित प्रमुख बिंदु शामिल थे-

शिक्षक पात्रता परीक्षा (ञश्वञ्ज) के संबंध में राज्य स्तर से समाधान हेतु संवाद करने और अध्यापक संवर्ग/नवीन संवर्ग को प्रथम नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता प्रदान करने की पुरजोर मांग की गई।

जिसमे प्रदेश के शिक्षकों के भविष्य को सुरक्षित करने हेतु पुरानी पेंशन योजना को पुन: बहाल करने का संकल्प दोहराया गया। भौगोलिक परिस्थितियों को देखते हुए शैक्षणिक सत्र शिक्षकों के लिए 15 जून और छात्रों के लिए 1 जुलाई से प्रारंभ करने तथा कक्षा 1 में प्रवेश की आयु राजस्थान की तर्ज पर 5 वर्ष करने का सुझाव दिया गया। कर्मचारियों के लिए %कैशलेस स्वास्थ्य बीमा% लागू करने और विभिन्न निर्वाचनों में लगाई गई ड्यूटी के एवज में %अर्जित अवकाश% स्वीकृत करने हेतु निर्देश जारी करने का आग्रह किया गया। अनुकम्पानियुक्ति की प्रक्रिया का सरलीकरण करने, उच्च पद प्रभार की प्रक्रिया पुन: प्रारंभ करने और एजुकेशन पोर्टल पर पद संरचना को नियमों के अनुरूप सुधारने की मांग की गई। उज्जैन संभाग के अध्यक्ष शंकरलाल आंजना ने डाइट कैडर को पुन: बहाल करने का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। उन्होंने तर्क दिया कि स्कूल शिक्षा विभाग का कार्य अध्यापन है, जबकि डाइट का मुख्य कार्य शिक्षकों को प्रशिक्षित करना है। अत: गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण के लिए 22 जून 2022 की अधिसूचना को निरस्त कर डाइट कैडर को स्वतंत्र रूप से बहाल किया जाना चाहिए।

नीमच

एक नजर में

युवक ने सल्फास खाया, अस्पताल में मौत, पूरे शरीर में फैला जहर अचानक तबीयत बिगड़ने पर हॉस्पिटल लेकर पहुंचे परिजन

नीमच। शहर के ग्वालटोली क्षेत्र में रविवार सुबह एक युवक ने सल्फास खा लिया। गंभीर हालत में उसे जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, जय जिनेंद्र रिसॉर्ट के पीछे रहने वाले राजेंद्र सिंह (34) राजपूत पुत्र शंभूसिंह ने रविवार को अपने घर पर सल्फास की गोली खाई।जब उनकी तबीयत बिगड़ने लगी, तो परिजन उन्हें तुरंत जिला अस्पताल ले गए। अस्पताल में डॉक्टरों ने युवक को बचाने का प्रयास किया।हालांकि, शरीर में जहर फैलने के कारण उसकी हालत लगातार बिगड़ती गई।लगभग दो घंटे चले इलाज के बाद राजेंद्र सिंह ने दम तोड़ दिया।युवक की ओर से यह कदम उठाने का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। अस्पताल की सूचना पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।रविवार दोपहर को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।पुलिस परिजनों के बयान दर्ज करने के बाद ही आगे की कार्रवाई करेगी।

सम्यक अभियान का शंखनाद, निजी कर्मचारियों, बेरोजगारों के हक और राजघराने की संपत्ति पर उठे मुद्दे

नीमच। नगर में 'इंदिरा ज्योति यात्रा' और 'चलें रामराज्य की ओर संकल्प यात्रा' का आगमन हुआ।गांधी भवन में आयोजित एक प्रेस वार्ता में सम्यक अभियान के प्रमुख भास्कर राव रोकड़े ने 9 सूत्रीय एजेंडा प्रस्तुत किया और व्यवस्था परिवर्तन का आह्वान किया।रोकड़े ने मीडिया को बताया कि यह अभियान पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के खिलाफ हो रहे दुष्प्रचार का जवाब देने के लिए ग्वालियर से शुरू किया गया है।यह चार वर्षीय अभियान युवाओं को सम्मानजनक अवसर दिलाने और सरकारी-निजी क्षेत्रों में आउटसोर्सिंग प्रथा को समाप्त कर नियमित नियुक्तियों की व्यवस्था करने पर केंद्रित है।उन्होंने शिक्षित वर्ग के लिए न्यूनतम वेतन अधिनियम लागू करने की मांग की।निजी क्षेत्र में कर्मचारियों के शोषण को रोकने के लिए अधिकतम 8 घंटे की शिफ्ट ड्यूटी और एक पारदर्शी प्लेसमेंट विभाग की अनिवार्यता पर भी जोर दिया गया।अभियान ने परंपरागत जातियों के उत्थान के लिए अलग से अत्यंत पिछड़ा वर्ग (ईबीसी) के गठन को समय की मांग बताया।इसके अतिरिक्त, राजघरानों के पास मौजूद रियासतकालीन संपत्ति और किलों को सरकारी संपत्ति घोषित कर उस धन का उपयोग बेरोजगार युवाओं के भविष्य को संवारने के लिए करने की पुरजोर वकालत की गई।यात्रा का प्रथम चरण 31 मई को सागर में समाप्त होगा।इसके बाद, नीमच जिले में इसे ग्रामीण स्तर तक ले जाया जाएगा। इस दौरान जातिगत जनगणना, किसानों के लिए इंडस्ट्री-सेंट्रिक कम्युनिटी फार्मिंग और सेवानिवृत्ति की आयु 58 वर्ष करने जैसे संकल्पों को घर-घर तक पहुंचाया जाएगा, जिसका उद्देश्य समाज में व्याप्त निराशाजनक वातावरण को नवक्रांति में बदलना है।

मानव अधिकार आयोग अध्यक्ष का सर्किट हाउस नीमच में किया सम्मान

नीमच। मध्य प्रदेश राज्य मानव अधिकार आयोग अध्यक्ष श्री अवधेश प्रताप सिंह जी के नीमच आगमन पर भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा मध्यप्रदेश के प्रदेश मंत्री सुखलाल पंवार व मिशन न्यू इंडिया के प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर जायसवार एवं भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा मंडल अध्यक्ष मोहन यादव ने डाक बंगला सर्किट हाउस पंहुचकर मानव अधिकार आयोग अध्यक्ष श्री अवधेश प्रताप सिंह जी को सम्मान रुपी अंगोछा गले में डाल पुष्प माला पहनाकर मानव अधिकार आयोग अध्यक्ष श्री अवधेश प्रताप सिंह जी का मार्गदर्शन प्राप्त कर आमजन से जूड़ी मानव अधिकार आयोग से मिलने वाले सहयोग व मदद की जानकारी प्राप्त की !इस अवसर पर भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा प्रदेश मंत्री सुखलाल पंवार, मिशन न्यू इंडिया के प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर जायसवार, भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा मंडल अध्यक्ष मोहन यादव एवं साथी कार्यकर्ता गण उपस्थित रहे !

फसलों की थ्रेसिंग की उड़ती धूल से फेफड़ों पर खतरा

▶ लगातार बढ़ रहे सांस के रोगी...!

नीमच। जिले में रबी फसलों की कटाई और थ्रेसिंग के दौरान उड़ने वाली धूल और भूसे के महीन कणों से सांस के रोगियों की मुसीबत बढ़ गई है। अस्पतालों में सांस संबंधी बीमारियों के मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है। सरकारी और निजी अस्पतालों के श्वसन रोग मरीज बढ़ गए हैं।वहीं तापमान में उतार-चढ़ाव के कारण भी फेफड़ों के संक्रमण के मामले बढ़े हैं। कई बार को मरीज को भर्ती करना पड़ता है।

फसलों की थ्रेसिंग के दौरान हवा चलने के कारण काफी दूर तक वातावरण में धूल के कण तैरते रहते हैं। हवा में उड़े कण सांस के जरिए सीधे फेफड़ों में चले जाते हैं, जिससे फेफड़ों में सूजन आ रही है। धूल व परागकणों के कारण दमा और पहले से सांस की समस्या झेल रहे लोगों की स्थिति और बिगड़ जाती है। खेतों में काम करने वाले किसान, मजदूर और आसपास रहने वाले लोग इस समस्या से ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। जिन्हें धूल और परागकणों के कारण सांस लेने में क ि नाई हो रही है। चिकित्सकों के अनुसार धूलभरे वातावरण में कम जाएं और सांस लेने में परेशानी होने पर फौरन पास के अस्पताल के चिकित्सक से उपचार लें।

यह है लक्षण-चिकित्सकों के अनुसार अस्थमा श्वास तंत्र की बीमारी है, जिसके कारण सांस लेना मुश्किल हो जाता है। श्वास मार्ग में सूजन आ जाने के कारण यह समस्या बढ़ जाती है। मरीजों को छोटी-छोटी सांस लेनी पड़ती है, छाती मे कसाव जैसा महसूस होता है, सांस फूलने लगती है और बार-बार खांसी आती है। वहीं थ्रेसिंग के कारण आंखों व एलर्जी के मरीजों की संख्या में बढ़ रही है। थ्रेसिंग के समय सांस के रोगियों को नाक और हाथों को कपड़े से ढककर काम करना चाहिए।

एक्सपर्ट व्यू- सांस के मरीज बढ़ेजिले में इस समय रबी की फसलों की कटाई चल रही है। कटाई और थ्रेसिंग के दौरान उड़ने वाले धूलकण काफी दूर तक चले जाते हैं। जिससे सांस संबंधी रोगों के पुराने व नए मरीजों में अस्थमा अटैक आने के मामले बढ़े हैं।कई बार मरीज को भर्ती करना पड़ता है। सांस के मरीज नियमित रूप से दवाएं लें।

एलर्जिक राइनाइटिस के प्रमुख लक्षण

- बार-बार छींक आना।
- नाक बहना या नाक बंद होना।
- नाक में खुजली होना।
- आंखों में खुजली, जलन या पानी आना।
- गले में खुजली या खराश।

बचाव के उपाय :

- धूल और धुएं से बचें।
- बाहर जाते समय मास्क का प्रयोग करें।
- घर को साफ और हवादार रखें।
- ठंडी चीजों और एलर्जी बढ़ाने वाले खाद्य पदार्थों से परहेज करें।

भारतीय जनता पार्टी के भादवा माता मंडल की भव्य कामकाजी बैठक

नीमच। भारतीय जनता पार्टी भादवा माता मंडल की महत्वपूर्ण कामकाजी बैठक मंडल अध्यक्ष पूजा अनिल शर्मा के कुशल नेतृत्व में अत्यंत गरिमामयी एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई।'गांव चलो अभियान' के तहत आयोजित इस बैठक में क्षेत्र के लोकप्रिय सांसद सुधीर गुप्ता (नीमच) एवं नीमच विधानसभा के लोकप्रिय विधायक दिलीप सिंह परिहार की प्रेरणादायी उपस्थिति ने कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार किया।

साथ ही जिला प्रभारी सुभाष पटेल, जिला भाजपा अध्यक्ष वंदना खंडेलवाल, जिला उपाध्यक्ष पप्पू जैन, अर्जुन सिंह सिसोदिया, मंडल प्रभारी हेमलता धाकड़, जनजाति मोर्चा जिला अध्यक्ष रतन मलावत, मंडल महामंत्री महेश गुर्जर एवं पूर्व मंडल अध्यक्ष प्यार सिंह चुंडावत ने अपने ओजस्वी उद्बोधन से कार्यकर्ताओं को संगठन विस्तार, बूथ सशक्तिकरण एवं जनसेवा के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ पार्टी के प्रेरणास्रोत महापुरुषों के चित्रों पर माल्यार्पण कर किया गया, जो हमारी विचारधारा और संस्कारों की जीवंत पहचान है। इस अवसर पर केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं के हितग्राहियों का सम्मान कर 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के संकल्प को साकार रूप दिया गया।

बैठक में मंडल के सभी पदाधिकारी, मोर्चा पदाधिकारी, बूथ अध्यक्ष, जनप्रतिनिधि, सरपंच एवं वरिष्ठ कार्यकर्ताओं की ऐतिहासिक उपस्थिति ने यह सिद्ध कर दिया कि संगठन जमीनी स्तर पर मजबूत और सक्रिय है। बैठक का प्रभावी संचालन मंडल उपाध्यक्ष राजीव गरासिया द्वारा किया गया एवं अंत में मंडल उपाध्यक्ष डॉ. मोहन नागदा ने आभार व्यक्त किया। 'भाजपा का हर कार्यकर्ता राष्ट्र निर्माण का मजबूत स्तंभ है।

एक नजर | **शादी में जा रहे बाइक सवार को कार ने टक्कर मारी, नानी और नातिन घायल**

महू-नसीराबाद हाईवे पर सड़क हादसा, एक की मौत

नीमच। सिटी थाना क्षेत्र में महू-नसीराबाद हाईवे पर रविवार सुबह एक सड़क हादसा हुआ। इस दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि उसकी मासूम भांजी और बुजुर्ग मां घायल हो गईं।पुलिस के अनुसार, यह हादसा रावतखेड़ा फंटे पर हुआ जब बाइक सवार सड़क पार कर रहे थे। इसी दौरान एमपी 13 स0950 नंबर की एक कार ने बाइक को टक्कर मार दी।

दुर्घटना में अडमलिया निवासी 46 वर्षीय बाइक चालक राजू पिता हजारीलाल की मौके पर ही मौत हो गई। बाइक पर सवार उनकी 65 वर्षीय मां सोहन बाई और बोरखेड़ी निवासी 4 वर्षीय भांजी परी पिता दिलकुश गंभीर रूप से घायल हो गईं।

हादसे की सूचना मिलते ही नीमच सिटी पुलिस और 108 एंबुलेंस (ईएमटी राहुल राठौर और पायलट दशरथ व्यास) मौके पर पहुंचे। तीनों घायलों को तत्काल जिला चिकित्सालय ले जाया गया, जहाँ चिकित्सकों ने राजू को मृत घोषित कर दिया।सोहन बाई और परी को अस्पताल में भर्ती कर लिया गया है।

बताया जा रहा है कि राजू अपनी मां और भांजी के साथ अडमलिया से नीमच सिटी के पास रावण रुडी में एक शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। मृतक राजू बीएसएनएल टेलीकॉम ऑफिस में कार्यरत थे।

हादसे की खबर मिलते ही मृतक की पत्नी, पुत्र और अन्य परिजन नीमच जिला चिकित्सालय पहुंचे। मृतक अपने पीछे माता-पिता, पत्नी, दो बेटे और एक बेटी छोड़ गए हैं।

पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की आगे की जांच शुरू कर दी है।